NBS INTERNATIONAL: ANDHERI (W): 7290055260, CHOWPATTY: 7290055259, KANDIVALI: 9289524161, **RANDHAWA MOTORS**: VIKHROLI: 9168300500, ANDHERI (E): 9168300500, DOMBIVLI: 9168300500 , ULHASNAGAR: 9168300500, **HARE KRISHAN CLASSIC CAR** MULUND: 8591734201, 022 41179999, **NANAVATI AUTOMOTIVE**: VASAI: 9049376633, BOISAR: 9049376633, WADA: 9049376633, **SALASAR AUTOCRAFTS PVT. LTD.**: PANVEL: 8448994751, THANE: 8929207440, BHIWANDI: 8929207441, SHAHPUR: 8104820070, KALYAN 9371301111, MIRA ROAD: 7045814566MODI: AIROLI: 8238785050, THANE (W): 8238785050, **BHAVNA AUTOMOBILES**: NAVI MUMBAI - 9289208864, KHARGHAR - 9289208864, **ARNAV AUTOMOBILES PVT LTD**: AIROLI - 8238785050, THANE (W): 8238785050.

SPOTLIGHT

नया भारत बडे सपने देखने से नहीं डरताः असीम गुप्ता

बेहतर लीडरशिप का नतीजा आज भारत "विश्वगुरू" बनने की ओर अग्रसर

मुंबईः महाराष्ट्र अर्बन डेवलपमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम गुप्ता ने लीडरशिप के महत्व को बताते हुए कहा कि आज का भारत और आज का महाराष्ट्र अब बडे सपने देखने से नहीं डरता। यह संभव हुआ है क्योंकि देश और राज्य में बेहतर लीडरशिप आई है जो आत्म-निर्भर भारत का सपना देख रहे है। असीम गुप्ता एनबीटी द्वारा आयोजित "द लीडरशिप एक्सेलन्स समिट" में मुख्य अतिथी के रूप में शामिल हुए और इवेंट में मौजूद लिडर्स को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

असीम गुप्ता ने कहा एक समय था जब महाराष्ट्र में ही बडे प्रॉजेक्ट्स को लेकर प्लानिंग तो होती थी लेकिन कही ना कही यह डर भी लगता था मन क्या ये आगे बढ पाएगा, लेकिन अब देखो मुंबई और मेट्रोपॉलिटन रीजन में ही 380 कि.मी मेट्रो रेल नेटवर्क पर काम जारी है। हाल ही में मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन बांद्रा-कोलाबा-सीप्स का शुभारंभ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया गया। यह सब एक बेहतर लीडरशिप का ही नतीजा है।

नवभारत टाइम्स द्वारा आयोजित "लीडरशिप एक्सीलेंस समिट" के पैनल में देश के चार अग्रणी उद्योगपतियों और उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस सत्र में शामिल थे – बसेश गाला (मैनेजिंग डायरेक्टर, 39 सॉल्यूशंस ग्रुप), वर्धन टी.आर. (फाउंडर और चेयरमैन, मैस्कॉट सिस्टम्स प्रा. लि.), अंजन कुमार सिंह (आइडियल फ्लो कंट्रोल प्रा. लि.) और राजेश जॉनी (सीईओ और को-फाउंडर, ब्रांचएक्स)। पैनल चर्चा का विषय था "परिवर्तन के दौर में नेतृत्व की नई परिभाषा", जिसमें विजन, अनुकूलता और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया गया।

बसेश गाला ने सत्र की शुरुआत करते हुए कहा कि आज के समय में नेतृत्व का अर्थ नियंत्रण नहीं, बल्कि सहयोग और सहानुभूति है। उन्होंने कहा,"जब तकनीक रणनीति से तेजी से आगे बढ़ रही है, तब नेताओं को भरोसा पैदा करने और अपनी टीम को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए-।"गाला ने यह भी जोड़ा कि स्थायी सफलता तभी संभव है जब व्यापारिक वृद्धि समाज के कल्याण से जुड़ी हो।"आने वाला दशक उन्हीं नेताओं का होगा जो मुनाफे के साथ उद्देश्य को जोड़ेंगे।"

वर्धन टी.आर., मैस्कॉट सिस्टम्स के फाउंडर और चेयरमैन, ने डिजिटल युग की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "लीडरशिप काअसली काम अगली बड़ी बदलाव

को पहचानना है।" उन्होंने कहा,"जो इनोवेट नहीं करते, वे नेतृत्व भी नहीं कर सकते।"उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी में नवाचार को एक आदत की तरह अपनाया गया है।"मैस्कॉट में हम इनोवेशन को प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि संस्कृति मानते हैं – यही हमें आगे रखता है।"

अंजन कुमार सिंह, आइडियल फ्लो कंट्रोल प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा कि संकट के समय नेतृत्व की असली परीक्षा होतीहै। उन्होंने जोर दिया कि बाजार की अनिश्चितता में टिके रहने के लिए आक्रामकता नहीं, बल्कि ईमानदारी जरूरी है।

"जब बाजार अस्थिर होता है, तब संगठन को टिकाए रखती है नैतिकता, न कि आक्रामकता।"उन्होंने कहा कि नवाचार और नैतिकता का संतुलन बनाए बिना विकास संभव नहीं।

"इनोवेशन अगर ईमानदारी के बिना हो, तो वह अव्यवस्था बन जाता है।"

राजेश जॉनी, ब्रांचएक्स के सीईओ और को-फाउंडर, ने वित्तीय तकनीक (Fintech) और डिजिटल समावेशन की भूमिका पर जोर देते हुए कहा,"सच्चा नेतृत्व वही है जो असली समस्याओं का समाधान करे।" उन्होंने बताया कि ब्रांचएक्स का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी भारत के बीच वित्तीय अंतर को मिटाना है।"लीडर्स का दायित्व है कि नवाचार समाज के हर हिस्से तक पहुंचे – यही समावेशी विकास की असली पहचान है।"पैनल चर्चा के अंत में सभी ने एक स्वर में कहा कि आधुनिक नेतृत्व का मूल पदानुक्रम नहीं, बल्कि सामंजस्य है। आज के दौर में नेतृत्व की पहचान लचीलापन, पारदर्शिता और निरंतर सीखने की क्षमता से होती है।

"समय, सेवा और संवेदना का संगम है सच्चा नेतृत्व"

वही लीडरशिप एक्सीलेंस समिट के विशेष सत्र में देश के प्रतिष्ठित उद्योग और शिक्षा जगत के लिडर्स ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में सच्चा नेतृत्व केवल निर्णय लेने की क्षमता में नहीं, बल्कि समय, सेवा और समाज के बीच सही संतुलन बनाने में निहित है। इसमें दर्श माधव मिश्रा (डायरेक्टर, रेडमॉंक वेलनेस प्रा. लि.), डॉ. अनिल काशी मुरारका (एमडी, मिराकेम इंडस्ट्रीज) और डॉ. विनय अग्रवाल (फाउंडर एवं चांसलर, आईएसबीएम यूनिवर्सिटी और आईएसटीएम इंस्टीट्यूट) शामिल हुए।

दर्श माधव मिश्रा ने कहा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में समय ही सबसे बड़ा मूल्य है। उन्होंने बताया कि रेडमॉंक वेलनेस ने शुरुआत से ही अपनी सेवाओं को 24x7 उपलब्ध कराने का निर्णय लिया, ताकि किसी भी समय लोगों को हेल्थ और वेलनेस सेवाएं मिल सकें। मिश्रा ने कहा, "हमने अपनी खुद की ऐप विकसित की है, जहां लोग एक क्लिक में डॉक्टर, कॉस्मेटोलॉजिस्ट या थेरेपी सेशन बुक कर सकतेहैं। हमारा उद्देश्य है–'सेवा हर समय, हर जगह।'"

डॉ. अनिल काशी मुरारका, मिराकेम इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक, ने चर्चा को आगे बढाते हुए कहा कि आज के युग में नेतृत्व का अर्थ केवल मुनाफा कमाना नहीं है। उन्होंने कहा, "सच्चा लीडर वही है जो नैतिकता, पारदर्शिता और मानवता के साथ संगठन को आगे-बढ़ाए।" उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सहानुभूति और सतत विकास की भावना ही संस्थानों को दीर्घकालिक सफलता दिला सकती है।

डॉ. विनय अग्रवाल ने शिक्षा को नेतृत्व का सबसे सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे अनुसूचित राज्य में विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण और वंचित छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना था। "आज हमारे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं – यही सच्चा नेतृत्व है, जबआप दूसरों को अवसर देकर आगे बढ़ाते हैं।"

डॉ. गणेशन जगन्नाथन, प्रबंध निदेशक, आइडियल फ्लो कंट्रोल प्रा. लि.

उदय राज मिश्रा, डायरेक्टर, अमर पॉलिफिल्स प्राइवेट लिमिटेड

पूनम शर्मा, चेयरपर्सन, एक्यूरेट ग्रुप ऑफ इन्स्टिट्युशन्स

डॉ. रोजर कुमार, केस ग्रुप, फाउंडर और प्रबंध निदेशक

डॉ. रुपिका सिंह, डायरेक्टर एंड असोसिएट प्रोफेसर ऑफ डर्मोटोलॉजी, केएनएस मैमोरियल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स और इंस्टिट्यूशन्स

डॉ. मधुलिका सिंह, चेयरपर्सन, केएनएस मेमोरियल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एंड इंस्टिट्यूशन्स

डॉ उनमेश तकलकर, सीएमडी, केअर सिग्मा हॉस्पिटल

एड. चांदनी कपाड़िया, डायरेक्टर, जीएलएस यूनिवर्सिटी

अनिल भास्करन, एमडी, आईडिया सेंटर आर्किटेक्ट प्राइवेट लिमिटेड

डॉ. एच. बसवना गौड़प्पा, वाईस चांसलर, जेएसएस अकैडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च

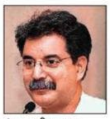

पंकज लीडू, एमडी, लैंडमार्क क्राफ्ट्स लि.

खालिद खान, सीएमडी, पारादीप परिवहन प्राइवेट लिमिटेड

प्रिया शाह, फाउंडर, प्रिया शाह द मॅचमेकर

नेहा कमानी संदेशा, फाउंडर और सीईओ, सेवन हॅट्स कन्सल्टिंग